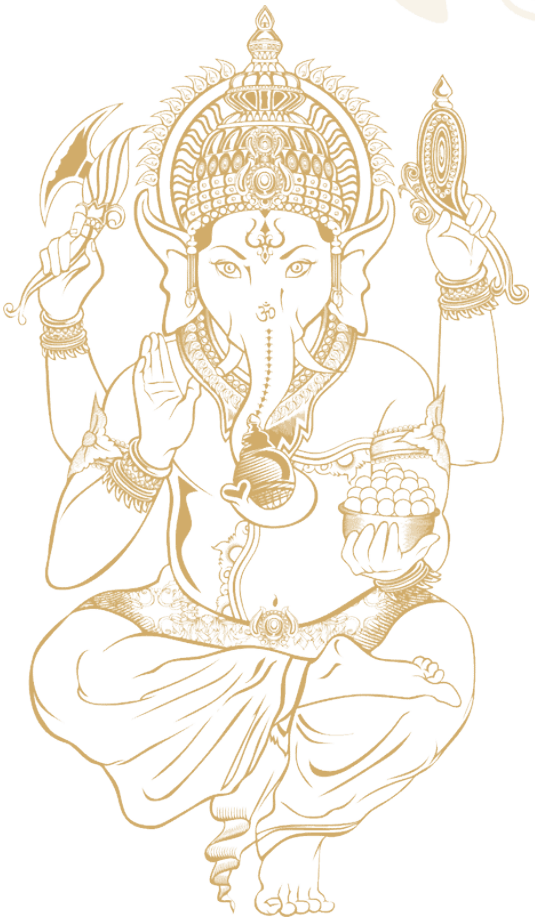

Ms.

03 Mar 2004

11:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121639608

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/03/2004**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:40:00 घंटे**
इष्ट	12:19:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:18:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:54 घंटे
साम्पातिक काल	22:04:19 घंटे
सूर्योदय	06:44:15 घंटे
सूर्यास्त	18:22:12 घंटे
दिनमान	11:37:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:05:39 कुम्भ
लग्न के अंश	21:35:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:35:07	358:23:01	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	19:05:39	01:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	04:27:38	12:27:30	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			मेष	24:30:43	00:38:28	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध		अ	कुंभ	18:22:17	01:52:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	20:10:34	00:07:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मेष	03:17:51	01:07:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
शनि	व		मिथु	12:23:31	00:00:30	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मेष	19:22:13	00:08:41	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	19:22:13	00:08:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:27:24	00:03:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	20:03:08	00:02:03	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	28:12:25	00:00:43	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	05:01:38	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:44

लग्न-चलित

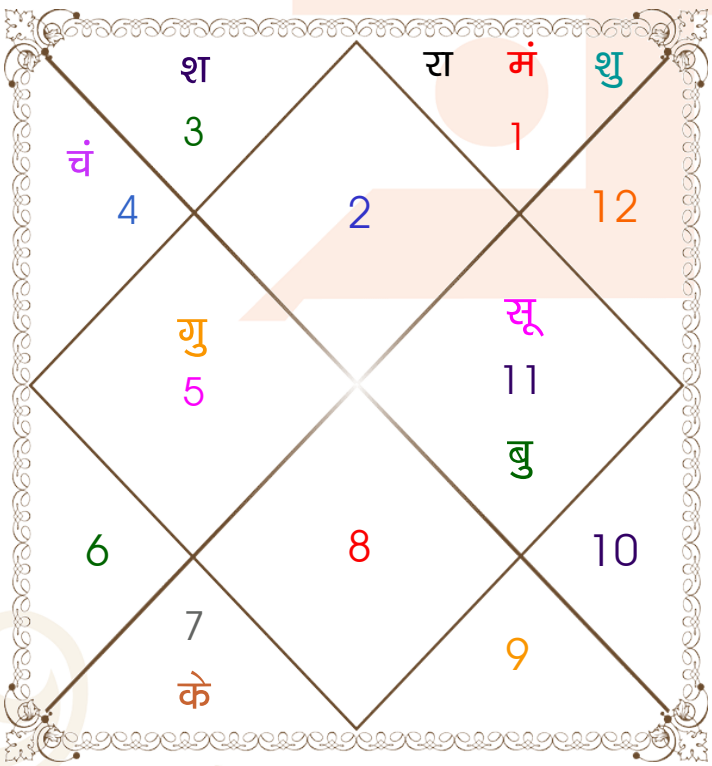

चन्द्र कुंडली

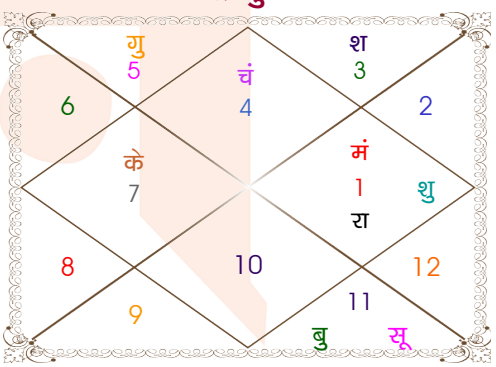

नवमांश कुंडली

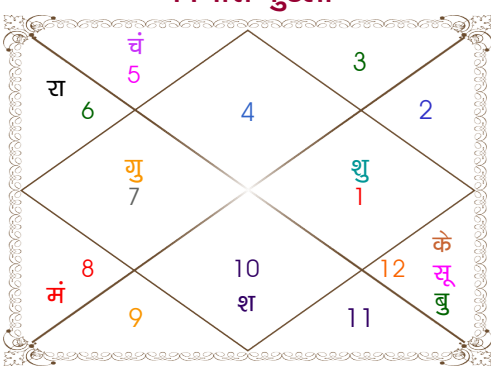

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 4 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/03/2004		25/07/2021		25/07/2038		25/07/2045		25/07/2065	
25/07/2021		25/07/2038		25/07/2045		25/07/2065		26/07/2071	
शनि	28/07/2005	बुध	22/12/2023	केतु	21/12/2038	शुक्र	24/11/2048	सूर्य	12/11/2065
बुध	06/04/2008	केतु	18/12/2024	शुक्र	21/02/2040	सूर्य	24/11/2049	चंद्र	13/05/2066
केतु	16/05/2009	शुक्र	19/10/2027	सूर्य	27/06/2040	चंद्र	26/07/2051	मंगल	18/09/2066
शुक्र	16/07/2012	सूर्य	24/08/2028	चंद्र	26/01/2041	मंगल	24/09/2052	राहु	13/08/2067
सूर्य	28/06/2013	चंद्र	24/01/2030	मंगल	25/06/2041	राहु	24/09/2055	गुरु	31/05/2068
चंद्र	27/01/2015	मंगल	21/01/2031	राहु	13/07/2042	गुरु	25/05/2058	शनि	13/05/2069
मंगल	07/03/2016	राहु	09/08/2033	गुरु	19/06/2043	शनि	25/07/2061	बुध	19/03/2070
राहु	12/01/2019	गुरु	15/11/2035	शनि	28/07/2044	बुध	25/05/2064	केतु	25/07/2070
गुरु	25/07/2021	शनि	25/07/2038	बुध	25/07/2045	केतु	25/07/2065	शुक्र	26/07/2071

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
26/07/2071		25/07/2081		25/07/2088		26/07/2106		26/07/2122	
25/07/2081		25/07/2088		26/07/2106		26/07/2122		00/00/0000	
चंद्र	25/05/2072	मंगल	21/12/2081	राहु	07/04/2091	गुरु	13/09/2108	शनि	04/03/2124
मंगल	24/12/2072	राहु	09/01/2083	गुरु	31/08/2093	शनि	27/03/2111		00/00/0000
राहु	25/06/2074	गुरु	16/12/2083	शनि	07/07/2096	बुध	02/07/2113		00/00/0000
गुरु	25/10/2075	शनि	23/01/2085	बुध	24/01/2099	केतु	08/06/2114		00/00/0000
शनि	25/05/2077	बुध	21/01/2086	केतु	11/02/2100	शुक्र	06/02/2117		00/00/0000
बुध	25/10/2078	केतु	19/06/2086	शुक्र	12/02/2103	सूर्य	25/11/2117		00/00/0000
केतु	26/05/2079	शुक्र	19/08/2087	सूर्य	07/01/2104	चंद्र	27/03/2119		00/00/0000
शुक्र	23/01/2081	सूर्य	25/12/2087	चंद्र	08/07/2105	मंगल	02/03/2120		00/00/0000
सूर्य	25/07/2081	चंद्र	25/07/2088	मंगल	26/07/2106	राहु	26/07/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।